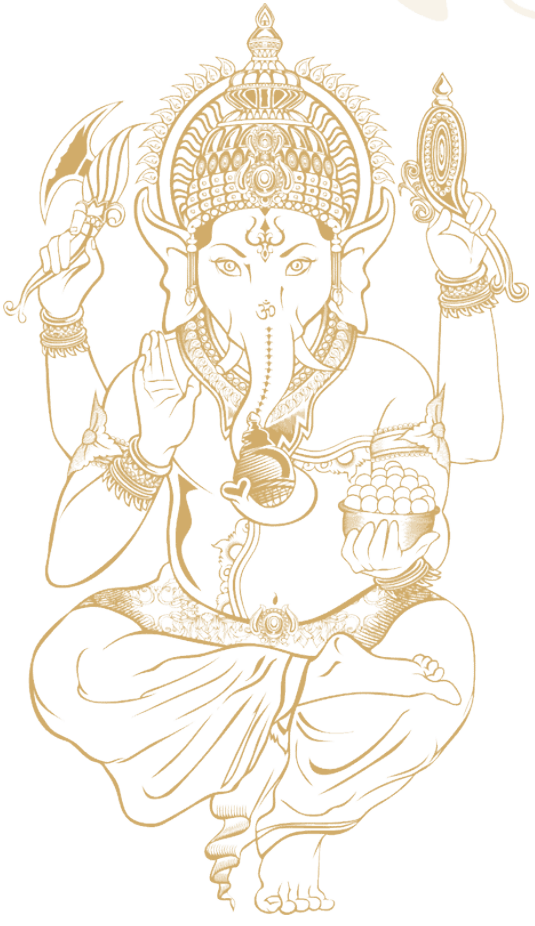

Shreeya Shukla

13 Jun 2011

07:48 PM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121798104

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**13/06/2011**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**19:48:00 घंटे**
इष्ट	36:53:38 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:51:32 घंटे
वेलान्तर	00:00:04 घंटे
साम्पातिक काल	13:17:43 घंटे
सूर्योदय	05:02:32 घंटे
सूर्यास्त	18:50:22 घंटे
दिनमान	13:47:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	28:13:26 वृष
लग्न के अंश	12:19:10 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्ध
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ते-तेजिका
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	12:19:10	341:26:19	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			वृष	28:13:26	00:57:19	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	28:37:42	14:20:03	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृष	00:34:08	00:43:22	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	सम राशि
बुध		अ	वृष	28:58:45	02:11:58	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
गुरु			मेष	07:46:42	00:11:36	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			वृष	10:50:46	01:13:06	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	स्वराशि
शनि			कन्या	16:25:22	00:00:03	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मित्र राशि
राहु	व		वृश्चि	29:25:21	00:00:17	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	29:25:21	00:00:17	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
हर्ष			मीन	10:15:43	00:01:16	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
नेप	व		कुंभ	06:52:37	00:00:20	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	12:32:55	00:01:28	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
दशम भाव			कन्या	27:00:56	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:18

लग्न-चलित

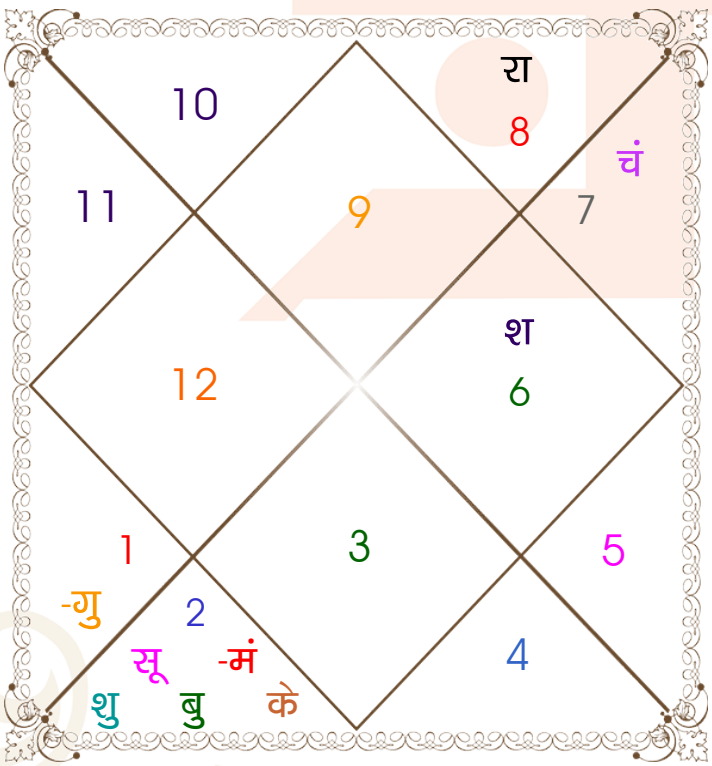

चन्द्र कुंडली

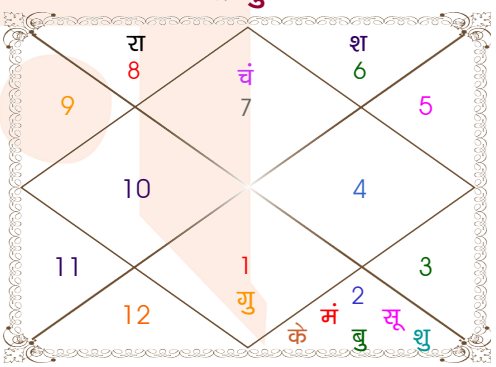

नवमांश कुंडली

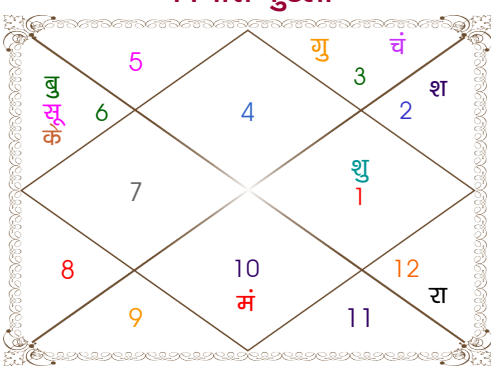

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 5 वर्ष 7 मास 22 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
13/06/2011		03/02/2017		04/02/2036		03/02/2053		04/02/2060	
03/02/2017		04/02/2036		03/02/2053		04/02/2060		04/02/2080	
	00/00/0000	शनि	07/02/2020	बुध	03/07/2038	केतु	03/07/2053	शुक्र	06/06/2063
	00/00/0000	बुध	17/10/2022	केतु	30/06/2039	शुक्र	02/09/2054	सूर्य	05/06/2064
	00/00/0000	केतु	26/11/2023	शुक्र	30/04/2042	सूर्य	08/01/2055	चंद्र	04/02/2066
	13/06/2011	शुक्र	26/01/2027	सूर्य	06/03/2043	चंद्र	09/08/2055	मंगल	06/04/2067
शुक्र	18/08/2011	सूर्य	08/01/2028	चंद्र	05/08/2044	मंगल	05/01/2056	राहु	06/04/2070
सूर्य	05/06/2012	चंद्र	08/08/2029	मंगल	02/08/2045	राहु	22/01/2057	गुरु	05/12/2072
चंद्र	05/10/2013	मंगल	17/09/2030	राहु	19/02/2048	गुरु	29/12/2057	शनि	04/02/2076
मंगल	11/09/2014	राहु	24/07/2033	गुरु	27/05/2050	शनि	07/02/2059	बुध	05/12/2078
राहु	03/02/2017	गुरु	04/02/2036	शनि	03/02/2053	बुध	04/02/2060	केतु	04/02/2080

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
04/02/2080		04/02/2086		04/02/2096		05/02/2103		04/02/2121	
04/02/2086		04/02/2096		05/02/2103		04/02/2121		00/00/0000	
सूर्य	24/05/2080	चंद्र	05/12/2086	मंगल	02/07/2096	राहु	18/10/2105	गुरु	26/03/2123
चंद्र	22/11/2080	मंगल	06/07/2087	राहु	21/07/2097	गुरु	13/03/2108	शनि	06/10/2125
मंगल	30/03/2081	राहु	04/01/2089	गुरु	27/06/2098	शनि	18/01/2111	बुध	12/01/2128
राहु	22/02/2082	गुरु	06/05/2090	शनि	06/08/2099	बुध	06/08/2113	केतु	18/12/2128
गुरु	11/12/2082	शनि	05/12/2091	बुध	03/08/2100	केतु	25/08/2114	शुक्र	14/06/2131
शनि	23/11/2083	बुध	06/05/2093	केतु	30/12/2100	शुक्र	24/08/2117		00/00/0000
बुध	29/09/2084	केतु	05/12/2093	शुक्र	01/03/2102	सूर्य	19/07/2118		00/00/0000
केतु	03/02/2085	शुक्र	06/08/2095	सूर्य	07/07/2102	चंद्र	18/01/2120		00/00/0000
शुक्र	04/02/2086	सूर्य	04/02/2096	चंद्र	05/02/2103	मंगल	04/02/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 5 वर्ष 7 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।